

तेरी इतनी किरपा श्याम मुझपे करना

भले कुछ और मुझे तू देना न देना,
मगर इतनी किरपा श्याम मुझपे करना,
खर्चा मैं घर का चलाता रहूँ,
जब तू मुझे बुलाये खाटू मैं आता रहूँ,
भले कुछ और मुझे तू देना न देना,

दुनिया की नजरो में ये घर मेरा है,
वो क्या जाने दिया हुआ सब तेरा है,
दो रोटी इजत की सदा देती रहना,
तेरी इतनी किरपा श्याम मुझपे करना,

जब जब बाबा तुझसे मिलना चाहूँ मैं,
दौड़ा दौड़ा खाटू नगरी आऊँ मैं,
व्यवस्था ऐसी तो तेरी मुझपे करना,
तेरी इतनी किरपा श्याम मुझपे करना,

दौलत दे या न दे तेरी मर्जी है,
पर सोनू की बाबा तुझसे अर्जी है,
कभी न खोऊँ मैं ये जिद का कहना,
तेरी इतनी किरपा श्याम मुझपे करना,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14752/title/teri-itni-kirpa-shyam-mujhpe-karna>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |